

Shri Daji: Every paper has published that.

Shri Swaran Singh: We are in touch with the United States Government and they have never said that they are of secondary importance. There is nothing further for us to point out to them on something that some correspondent continues to write something.

Shri Indrajit Gupta: To our Government's knowledge, has Pakistan officially denied at any stage in any of its communications to the United States Government or the United Nations or to us that they were using American arms, particularly tanks, in Kutch and Kashmir?

Shri Swaran Singh: I do not think that they have.

Mr. Speaker: Question No. 420.

Shri D. C. Sharma: The next question is 420!

Mr. Speaker: The lady is not here. If, however, the Member is very particular about 420, I can allow it.

प्रसारण तथा सूचना माध्यम  
सम्बन्धी समिति

\* 421.

श्री प्रकाशचौर शास्त्री :  
श्री जगदीश सिंह सिद्धान्ती :  
श्री प्र० चं० बहगवा :  
श्री म० ला० डिंडोरी :  
श्री स० चं० सामन्त :  
श्री सुधीश हंसदा :  
श्री प्र० चं० चक्रवर्ती :  
श्री पं० बंटासुन्दरिया :  
श्री रबेन्द्र वर्मा :  
श्री बागड़ी :  
श्री बी० चं० शर्मा :  
श्रीमती उग्रोत्सना चन्दा :  
श्रीमती रेणुका बड़कटकी :  
श्री पु० र० पटेल :  
श्री हरि विष्णु कामत :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रसारण तथा सूचना माध्यम सम्बन्धी समिति ने अब तक कितना कार्य पूरा कर लिया है;

(ख) समिति ने क्या मुख्य सिफारिशें की हैं; और

(ग) उस पर सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : (क) चन्दा समिति ने प्रकाशवर्षा के काम के कुछ पहलुओं पर अब तक दो प्रगति रिपोर्टें दी हैं। इनमें एक "समावर्ती क्षेत्रों के लिए प्रसारण" पर है और दूसरी "ग्रामीण क्षेत्रों के लिए प्रसारण" पर।

(ख) और (ग). एक विवरण सदन की मेज पर रखा जा रहा है, [पुस्तकालय में रखा गया—बैजरे संख्या एन टी-4759/65] जिसमें इन प्रगति रिपोर्टों की मुख्य सिफारिशें और उन पर की जाने वाली कार्रवाई दी हुई है।

श्री प्रकाशचौर शास्त्री : समावर्ती क्षेत्रों में वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रचार कार्यक्रम बढ़ाने के लिये मंत्री महोदय ने विस्तार से जो जानकारी विवरण में दी है, मैं जानना चाहता हूँ कि क्या उस के लिये चतुर्थ पंच वर्षीय योजना में कुछ विशेष घनराशि भी नियत की गई है। यदि हाँ, तो वह कितना है।

श्रीमती इन्दिरा गांधी : अभी पंच वर्षीय योजना तो तय नहीं हुई है। जब वह तय हो जायेगी तभी निश्चय होगा।

श्री प्रकाशचौर शास्त्री : लेकिन मंत्री महोदय ने उस के लिये कुछ सुझाव तो दिये होंगे।

श्रीमती इन्दिरा गांधी : हम ने सुझाव तो बाहर दिये हैं लेकिन जब तक वह मान न लिये जायें तब तक हम उन को नहीं बतला सकते ।

श्री प्रहाशचोर शास्त्री : इस समिति ने जो अपनी रिपोर्ट दी है उस में जिन बातों के लिये पूर्ण रूप से कहा गया है, क्या सूचना और प्रसारण मंत्री उस सदन की टेबल पर रख सकेंगे ? यदि नहीं, तो इस में क्या कठिनाई है ?

श्रीमती इन्दिरा गांधी : अभी तक पूरी रिपोर्ट नहीं आई है । केवल अन्तिम रिपोर्ट आई है । हम उचित समझते हैं कि जब पूरी रिपोर्ट आ जाये तभी हम उस को सदन की मेज पर रखें तो अच्छा ही क्योंकि वही सारी तस्वीर सामने ला सकेगी ।

श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती : क्या यह विचार किया जा रहा है कि प्राकाशवाणी के द्वारा प्रसारित किये जाने वाले विलासिता को बढ़ाने वाले गानों को बन्द कर के राष्ट्र रक्षा और सैनिकों को प्रोत्साहन देने वाले गानों को उन का स्थान दिया जाये ।

अध्यक्ष महोदय : यह सबाल मीडिया का है, इनलिये यह प्रश्न नहीं उठता ।

Shri P. C. Borooah: After the appointment of the Chanda Committee, another high-power Committee has been constituted to go into an identical matter. May I know what was the necessity for setting up another Committee when the matter could have been referred to the Chanda Committee.

Shrimati Indira Gandhi: No other high power Committee has been appointed. There is a Committee of technical experts to advice into technical matters about T.V.

श्री म० ल० शिरो : जी वक्तव्य सदन पटल पर रखा गया है उस के पृष्ठ 2 पर लिखा है :

“कलकत्ता और मौराष्ट्र में एक एक हजार कीलौ गट के दो ट्रांसमिटर लगाने वाले हैं ।”

और पृष्ठ संख्या 6 में लिखा है कि :

“सौराष्ट्र प्रदेश में एक हजार कीलौ-गट का एक मीडियम वेव ट्रांसमिटर लगाने के काम को सब से ऊंची प्राथमिकता दी जा रही है ।”

मैं जानना चाहता हूँ कि कलकत्ते का ट्रांसमिटर क्या बाद में लगेगा । यदि नहीं, तो यह दोनों कब तक लग जायेंगे ?

श्रीमती इन्दिरा गांधी : इन प्रश्नों के उत्तर अनेक बार दिये जा चुके हैं । जो कलकत्ते के लिए है वह हमें रूस से मिल रहा है और वह करीब साल भर में लग जायेगा । उसके लिये एस्पर्ट्स आ गये हैं जगह को चुनने के लिये । मौराष्ट्र वाले के लिये अभी बातचीत चल रही है ।

Shri S. C. Samanta: May I know when the final report of the Chanda Committee is expected to be submitted and whether wide publicity will be given to the final recommendations before any decision is taken by Government?

Shrimati Indira Gandhi: I think it will take a year for the full report to come. I do not know if it would be right to give wide publicity in the ordinary sense of the word, but we shall certainly put it to our consultative committee and get their views on the matter.

Shri Subodh Hansda: I find from the statement that only a few stations such as Srinagar, Jammu, Jullundur, and Delhi have been intensified, to counteract Pakistan propoganda. May I know why the other stations have not been intensified?

The Deputy Minister in the Ministry of Information and Broadcasting (Shri C. R. Pattabhi Raman): Actually at page 2 of the statement we have given the full details. Even Bhuji is there. There will be one station in Rajasthan also. Calcutta and Saurashtra will have bigger transmitters. Then, we are really hurrying through the process in re-

gard to Kohima, Silchar, Goalpara, Jorhat etc. All these have been referred to as being under the Fourth Plan, but these are all being expedited.

**Shri P. R. Chakraverti:** In view of the specific recommendations of the committee for setting up a board of experts in the line including psychologists and linguists and publicity experts, what stands in the way of setting up of such a committee which would undoubtedly be an improvement on the committee which is functioning now?

**Shrimati Indra Gandhi:** I think that at this time of emergency such a board would be rather cumbersome and unwieldy. The Home Ministry is looking into the psychological aspect of publicity and we are in constant touch with the other Ministries also.

**श्री हुकम चन्द कछाय :** तिब्बती जनता के निचे कार्यक्रम पोन घंटे सुबह और पोन घंटे शाम को रखा गया है उसके बारे में क्या यह शिकायत आई है कि वह समय कम है और उस को बढ़ाया जाये । मैं जानना चाहता हूँ कि इस बारे में कमेटी ने क्या विचार किया है ।

**Shri C. R. Pattabhi Raman:** I personally am not aware of the complaint. We shall certainly look into it.

**श्री बड़े :** जो डेढ़ घंटा होता है क्या उस को बढ़ाया नहीं जाना चाहिये ?

**अध्यक्ष महोदय :** जो डेढ़ घंटे होता है क्या कमेटी का ऐसा खयाल है कि उस को बढ़ाया जाये ।

**श्रीमती इन्दिरा गांधी :** अभी जितना समय हमारे पास है उस में हम जितना भी कर सकते हैं वह कर रहे हैं । अभी उस को बढ़ाना हमारे लिये कठिन होगा ।

**Shri D. C. Sharma:** It has been stated in the statement in regard to the action proposed to be taken on

the interim report of the Chanda Committee:

"While it may not be feasible to have a district-wise system of transmitters, the possibility of having transmitters to serve various cultural units, so that local cultures may get sufficient opportunity to express themselves, is being examined."

May I know what those cultural units are to which the committee has referred, and who the persons are who are examining the set-up of these cultural units and by what time these cultural units will become visible to the eye so that the local cultures may get sufficient opportunity to express themselves?

**Shrimati Indra Gandhi:** These units are already visible. What is meant is this. There are areas in the country such as Telengana in Andhra Pradesh, Bundelkhand and so on, where there is a great demand that local artistes should have opportunity to participate in the programmes and there should also be regular weather bulletins because usually in such areas the weather is similar and it would be easier to give advice to farmers.

**श्री भागवत झा आजाद :** विवरण में आकाशवाणी के ट्रांसमिशन को मजबूत करने के लिये जिन स्टेशनों का हवाला है, उन में से कलकत्ते में लगने वाला ट्रांसमिटर एक वर्ष के बाद ही लग पायेगा । तो क्या सरकार यह समझती है कि उस के विवरण में दिये गये ट्रांसमिशन मात्र की स्थिति के लिये पर्याप्त है । अगर पर्याप्त नहीं है तो पाकिस्तानी आक्रमण के इस समय में उसे मजबूत बनाने के लिये क्या कोई शार्ट कट उपाय निकाले जा रहे है ?

**Shri C. R. Pattabhi Raman:** We have already planned two 250 kw. shortwave transmitters. We are augmenting it, as the Minister pointed out, by a 1000 kw. mediumwave transmitter for the eastern sector and another 1000 kw. mediumwave trans-

mitter for the western sector, which will perhaps be in Bombay. They will be coming.

**Shri Bhagwat Jha Azad:** That is after one year. I am asking about now.

**Dr. Sarojini Mahishi:** What recommendations have been made in the interim report made by the study team that went abroad to study broadcasting corporations, and how many of these do Government propose to accept?

**Shri C. R. Pattabhi Raman:** They have just returned from their tour abroad. They went to the U.S.S.R., U.K., Italy and U.A.R. But there is no report given.

**Shri Kapur Singh:** Reverting to the Committee on Broadcasting, has it ever struck the hon. Minister that there exists in this House an Akali Group which associates with the great Swatantra Party and which also might be associated with committees such as this?

**Mr. Speaker:** Shri P. R. Chakraverti.

**Shri Kapur Singh:** I want an answer, with your permission.

**Mr. Speaker:** He has suggested to them that they should include the Akali Group also.

**Shri Kapur Singh:** She must at least say whether it has struck her or not.

**Mr. Speaker:** Has it struck the Ministry that the Akali members who are associated with the Swatantra party. . .

**Shri Kapur Singh:** Great Swatantra party.

**Mr. Speaker:** . . . great Swatantra party should be associated in this committee?

**Shrimati Indira Gandhi:** At least it has now been brought to my notice.

### Publicity in Border Areas

†  
 { Shri P. R. Chakraverti;  
 Shri Rameshwar Tantis;  
 422. { Shri Hem Raj;  
 Shri P. C. Borooah;  
 Shri Surendra Pal Singh;  
 Shri Rishang Keishing;

Will the Minister of Information and Broadcasting be pleased to state the steps taken or proposed to be taken to intensify the publicity efforts in the border areas?

**The Deputy Minister in the Ministry of Information and Broadcasting (Shri C. R. Pattabhi Raman):** A statement is laid on the Table of the House. [Placed in Libr. of Sec. No. LT-4760/65].

**Shri P. R. Chakraverti:** With a view to making the programmes really effective, what steps have been taken to introduce broadcasts at times suitable, of adequate duration and in the dialects fully understood by the people?

**Shri C. R. Pattabhi Raman:** Yes, all the time we are having in various stations stress on the regional languages. There is a certain amount of autonomy so far as those directors are concerned. Every attempt is being made to make the programmes as attractive to the local people as possible.

**Shri P. R. Chakraverti:** In consideration of the urgency of the problem, have Government set up any research cell to make a regular appraisal of the results achieved through the field publicity programmes?

**Shri C. R. Pattabhi Raman:** We have a regular listener research section. We are hoping to have a separate department for listener research.

**Shri P. C. Borooah:** Has the Chanda Committee recommended the use of mobile transmitters for the border areas like Assam, Nagaland and NEFA? If so, may I know how many have been proposed and how many are already installed there?